



लोकहितार्थं सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान,
भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग
20, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद -211001
REGIONAL TRAINING INSTITUTE
Indian Audit & Accounts Department
20, Sarojini Naidu Marg, Allahabad - 211001
Phone : 2421364, 2421063, 2624467 Fax : 0532-2423485

शुभम प्रसाद
25
दिनांक-12/01/21

सं.आरटीआई(इ)/प्रशा.(विविध(हिंदी-132)/2020-21/489

दिनांक.06.01.2021

सेवां में,

राजीव रंजन,-

हिंदी अधिकारी,

कार्यालय-महानिदेशक लेखापरीक्षा(कोयला) पुराना निजाम महल(प्रथम तल),234/4,ए.जे.सी.बोस रोड, कोलकाता-700020

विषय:-हिन्दी पत्रिका "संदेश" के "तृतीय अंक" की पावती के संबंध में।

सन्दर्भ संख्या:-155 सी/राजभाषा/संदेश/6/1 दिनांक 15/10/2020

महोदय,

आपके कार्यालय की पत्रिका 'संदेश' प्राप्त हुई, तदर्थ धन्यवाद, पत्रिका का मुख पृष्ठ आकर्षक है। पत्रिका के सभी रचनाकारों एवं संपादको को बधाई एवं पत्रिका को सफल बनाने के लिए बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय,

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी,



महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड का कार्यालय
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E), UTTARAKHAND

पत्रांक: 26 / हि0प्र0 / 2020-21 / विभागीय पत्रिकाएं / पावती / 300

दिनांक: 01.01.2021

सेवा में,

हिंदी अधिकारी,
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला)
पुराना निजाम महल (प्रथम तल)
234 / 4, ए0जे0सी0 बोस रोड़,
कोलकाता - 700020

श्री 26/01/21
26 - 26
12/01/21

विषय:- वार्षिक हिन्दी पत्रिका "संदेश" के तृतीय अंक की प्राप्ति।

महोदय,

पत्रांक सी0/राजभाषा/संदेश/61 दिनांक 19-10-2020 द्वारा आपके कार्यालय की वार्षिक पत्रिका "संदेश" का तृतीय अंक प्राप्त हुआ, तदहेतु धन्यवाद। पत्रिका की सभी रचनाएं, विशेषकर सुष्मिता विश्वास की "अबु सिम्बेल-एक अजुबा" श्री राय बहादुर सिंह एवं गार्गी मण्डल के "सोशल मीडिया में फेक-न्यूज का बढ़ता असर" (हिन्दी पखवाड़ा 2018 में पुरस्कृत निबंध) एवं श्री रवि प्रभात का लेख "सूखता भारत" अत्यन्त रूचिकर एवं प्रशंसनीय हैं। पत्रिका का कलेवर भी आकर्षक है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए आपको एवं सम्पादक मण्डल को हार्दिक शुभकामनाएं। आशा है भविष्य में भी आपकी पत्रिका नित-नवीन कलेवर के साथ हमारा ज्ञानवर्धन एवं मनोरंजन करेगी।

भवदीय

वरिष्ठ लेखाधिकारी / हिंदी प्रकोष्ठ



पंजीस्त 518
कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)-प्रथम 30प्र0, इलाहाबाद
Office of the Accountant General (Accounts & Entitlement)-I, U.P., Allahabad

प.सं. हि.अ./पत्रिका/ 67547

दिनांक: 18.12.2020

सेवा में,

हिन्दी अधिकारी
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला),
पुराना निज़ाम महल (प्रथम तल),
234/4, ए.जे.सी. बोस रोड,
कोलकाता - 700020

शुभम
शुभम-20
दि-11/12

विषय:- हिन्दी पत्रिका "संदेश" के तृतीय अंक की प्राप्ति एवं प्रतिक्रिया ।

महोदय,

आपके द्वारा प्रेषित हिन्दी पत्रिका "संदेश" के तृतीय अंक की एक प्रति प्राप्त हुई, सहर्ष धन्यवाद । पत्रिका के आवरण पृष्ठ पर छायांकित छायाचित्र एवं अन्य कार्यालयीन गतिविधियों से संबन्धित छायाचित्र काफी अच्छे लगे । संकलित समस्त लेख एवं रचनाएँ सरस एवं पठनीय हैं । श्री पी. के. चक्रवर्ती का संस्मरण "जब मैं आंखिन देखिया", सुश्री सुष्मिता विश्वास का यात्रा संस्मरण "अबु सिम्बेल-एक अजूबा", श्री रवि प्रभात का लेख "सूखता भारत", श्री राजीव रंजन का लेख "क्या सोशल मीडिया हमें सचमुच सामाजिक बनाता है?", एवं श्री संजीव सिंह का लेख "दूसरी परम्परा के पुरोध" आदि काफी रोचक एवं उल्लेखनीय हैं ।

पत्रिका के कुशल सम्पादन हेतु हार्दिक बधाइयाँ । कार्यालय परिवार पत्रिका की अविरल प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है ।

भवदीय,

शुभम
वरिष्ठ लेखाधिकारी/हिन्दी
18.12.2020

शुश्री सुष्मा तिवारी,
व.अ.
राज्य
28.12.20



कार्यालय महालेखाकार (लेखा व हकदारी)
चण्डीगढ़ - 160017
Office of the Accountant General (A&E),
Punjab & UT, Chandigarh - 160 017
Phone: 0172-2702174, Fax : 0172-2703110
क्रमांक : हिन्दी कक्ष/समीक्षा/2020-21/ 126
दिनांक : 21-12-2020

सेवा में

संपादक
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला)
पुराना निजाम महल (प्रथम तल)
234 / 4, ए.जे.सी.बोस रोड,
कोलकाता-700020

विषय:- विभागीय पत्रिका 'संदेश' का तृतीय अंक।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका 'संदेश' का तृतीय अंक प्राप्त हुआ। पत्रिका की सभी रचनाएं प्रशंसनीय हैं। श्री पी.के.चक्रवर्ती की 'जा मैं आंखिन देखिया', सुश्री सुष्मिता दास की 'अबु सिम्बेल-एक अजुबा', श्री राजीव रंजन की 'क्या सोशल मीडिया हमें सचमुच सामाजिक बनाता है' सभी रचनाएं सराहनीय हैं।

पत्रिका के सभी रचनाकारों एवं संपादक मंडल को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं।

भवदीया

व. लेखा अधिकारी (हिंदी कक्ष)

16

दूरभाष/Telephone- 2223251,
2225766, 2224812



फैक्स/ Fax 0612-2225977
भारत | ACCOUNTS
Tele Gram

प्रधान महालेखाकार (ले० एवं ह०) का कार्यालय, बिहार, पटना
OFFICE OF THE PRINCIPAL ACCOUNTANT GENERAL (A&E), BIHAR, PATNA

पत्रांक हिन्दी कक्ष/लेखा/रा०भा०अ०/२०२०-२१/४८
दिनांक ०९/१२/२०२०

सेवा में,

हिन्दी अधिकारी,
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला),
पुराना निजाम महल (प्रथम तल), २३४/४,
ए०जे०सी०बोस रोड,
कोलकाता- ७०००२०.

विषय :- वार्षिक हिंदी पत्रिका 'संदेश' के तृतीय अंक (वर्ष २०१९-२०२०) के प्रेषण के संबंध में।

महोदय/ महोदया,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या- ६२ सी/राजभाषा/संदेश/६/१ दिनांक १९/१०/२०२० के द्वारा हिंदी पत्रिका 'संदेश' के तृतीय अंक की एक प्रति सधन्यवाद प्राप्त हुई।

अंक पठनीय और उत्कृष्ट है। पत्रिका का आवरण एवं साज-सज्जा सुंदर एवं लुभावना है। उसका बाहरी रंग रूप ही नहीं, आंतरिक सौंदर्य भी आकर्षित करता है। सुश्री सुष्मिता विश्वास का यात्रा संस्मरण 'अबु सिम्बेल- एक अजुबा', श्री राजीव रंजन का लेख 'क्या सोशल मीडिया हमें सचमुच सामाजिक बनाता है' एवं सुश्री सुधा तिवारी द्वारा पाब्लो नेरुदा की अनुवादित रचना 'इस रात मैं लिख सकता हूँ बेहद गमगीन अल्फ़ाज' काफी रोचक, सराहनीय एवं ज्ञानवर्धक हैं। सभी रचनाकार बधाई के पात्र हैं।

पत्रिका के श्रेष्ठ संकलन हेतु संपादक मंडल बधाई के पात्र हैं। पत्रिका इसी प्रकार निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहे, ऐसी हमारी शुभकामना है।

भवदीय,

वरीय लेखा अधिकारी,
(हिन्दी कक्ष)

महालेखाकार (लेखा एवं हक)
का कार्यालय, कर्नाटका,
भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग



OFFICE OF THE
ACCOUNTANT GENERAL (A & E)
KARNATAKA
Indian Audit & Accounts Department

सं.प्र.म.ले.(ले.व.ह.)हिं.क./पा.प्रे./2020-21/64

दिनांक:03.11.2020

सेवा में,

श्री राजीव रंजन,
हिंदी अधिकारी
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा(कोयला)
कोलकाता-700020

विषय- वार्षिक हिंदी पत्रिका "संदेश" के तृतीय अंक(वर्ष 2019-2020) की पावती ।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु प्रकाशित वार्षिक हिंदी पत्रिका "संदेश" के तृतीय अंक(वर्ष 2019-2020) की एक प्रति प्राप्त हुई। रचनात्मकता से परिपूर्ण पत्रिका का मुखपृष्ठ अत्यंत ही मनोरम व मनमोहक है। 'सूखता भारत', 'मां की ममता', 'आज के भारत की नारी', 'दूसरी परंपरा के पुरोध', 'सोशल मीडिया में फैंक न्यूज का बढ़ता असर', आदि रचनाएँ रुचिकर एवं सराहनीय ही नहीं बल्कि संग्रहणीय भी हैं। अन्य सभी रचानाएँ भी पठनीय एवं विचारणीय हैं।

आशा करता हूँ कि पत्रिका की गुणवत्ता एवं रचनात्मकता में उत्तरोत्तर प्रगति जारी रहेगी।

सधन्यवाद !

भवदीय,

(उदय प्रताप सिंह)
हिंदी अधिकारी

3/11/2020

Received
14/11/2020